

## अयोध्या बना आदर्श सौर नगर

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश ने अयोध्या में [सौर ऊर्जा](#) संयंत्र के माध्यम से 40 मेगावाट वदियुत उत्पादन क्षमता हासिल की है।

जसिके कारण अयोध्या को [उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022](#) के अंतर्गत आदर्श सौर नगर का प्रतिष्ठित पदनाम प्राप्त हुआ।

### मुख्य बढि

- इस नीति के अनुसार, सौर शहर को ऐसे शहर के रूप में परिभाषित किया गया है जहाँ [नवीकरणीय ऊर्जा](#) संयंत्र पारंपरिक ऊर्जा की अनुमानित कुल मांग को कम-से-कम 10% तक कम कर सकते हैं।
  - अयोध्या ने आवश्यक क्षमता से दोगुनी क्षमता हासिल कर इस मानक को पार कर लिया है।
- यह संयंत्र [राष्ट्रीय ताप वदियुत नगम \(National Thermal Power Corporation- NTPC\) ग्रीन एनर्जी लिमिटेड](#) द्वारा माझा रामपुर हलवारा और माझा सरायरासी गाँवों में [सरयू नदी](#) के पास स्थापित किया गया था।
  - राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा संयंत्र परियोजना स्थापित करने के लिये NTPC ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को 165.10 एकड़ भूमि 1 रुपए प्रति एकड़ प्रतिवर्ष की दर से 30 वर्षों के लिये पट्टे पर दी है।
  - यह संयंत्र [उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड \(UPPCL\)](#) द्वारा 25 वर्षों के लिये लागत-प्लस-नरिधारित टैरिफि पर खरीदा जाएगा, जिससे अयोध्या को एक आदर्श सौर शहर घोषित किया जा सकेगा।

### सरयू नदी

- सरयू एक नदी है जो उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से होकर प्रवाहित होती है।
- इस नदी का प्राचीन महत्त्व है क्योंकि इसका उल्लेख वेदों और रामायण में मिलता है।
- यह नदी करनाली और महाकाली नदियों के संगम पर बनती है। यह गंगा नदी की एक सहायक नदी है।
- भगवान राम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले रामनवमी के त्योहार पर हज़ारों लोग अयोध्या में सरयू नदी में डुबकी लगाते हैं।

### उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)

- 14 जनवरी, 2000 को यूपी में वदियुत क्षेत्र के सुधारों और पुनर्रगठन के परिणामस्वरूप स्थापित किया गया, जो वदियुत क्षेत्र का केंद्र बढि है जो वदियुत के संचारण, वतिरण तथा आपूर्ति के माध्यम से क्षेत्र की योजना एवं प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
- यह पेशेवर रूप से प्रबंधित उपयोगिता है जो राज्य के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय और लागत कुशल वदियुत की आपूर्ति करती है।